भाकअनुसं IIMR

मासिक समाचार पत्र Monthly Newsletter

भाकृअनुप - भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500030. तेलंगाना, भारत

आईएसओ 9001:2008 प्रमाणित संस्थान

क्रम सं. 187 | हैदराबाद * सोलापुर * वरंगल | मई , 2019

चौचसिंहकृविवि, हिसार में ज्वार समूह की 49वीं वार्षिक बैठक

ज्वार पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना समूह की 49वीं वार्षिक बैठक 28-30 मई, 2019 के दौरान चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित की गई। इस सामूहिक बैठक में विभिन्न राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, निजी क्षेत्र के अभिकरणों तथा अन्य सहयोगी संस्थानों से लगभग 200 सहभागियों ने भाग लिया। उक्त बैठक तीन दिनों के दौरान कुल 10 सत्रों में संपन्न हुई। इस बैठक के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता डॉ. दिनेश कुमार, सहायक महानिदेशक (खाद्य एवं चारा फसल), भाकृअनुप, नई दिल्ली के द्वारा की गई तथा डॉ. विनोद गौड़, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय बीज निगम, नई दिल्ली; डॉ. एस के शेरावत, अनुसंधान निदेशक, डॉ. के एस ग्रेवाल, संकायाध्यक्ष, कृषि महाविद्यालय, चौचसिंहकृविवि, हिसार तथा डॉ. प्रभाकर, भूतपूर्व, परियोजना समन्वयक, लघु कदन्नों पर अभासअनुप, बैगलुरु सम्मानीय अतिथि के रूप में उपस्थित थे। डॉ. विलास ए टोणपि, निदेशक, भाकृअनुप-भाकअनुसं, हैदराबाद ने अनुसंधान विशेषताओं पर प्रस्तुतीकरण दिया तथा ज्वार पर अभासअनुप के अंतर्गत 2018-19 के दौरान किए गए कार्यों की समीक्षा की एवं भारत में ज्वार के भावी बदलाव पर खाका प्रस्तुत किया।

निदेशक, भाकअनुसं ने आनुवंशिक उन्नयन, ज्वार उत्पादन तथा संरक्षण प्रौद्योगिकियों, विस्तार एवं आउटरिच अनुसंधान, मूल्य -वर्धन हेतु विभिन्न विषयों में हुई प्रगति तथा संस्थान में ज्वार अनुसंधान पर आधारभूत तथा नीतिपरक पहलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने राखासुमि के अंतर्गत भारत सरकार के न्यूट्रिसिरियल उप-मिशन कार्यक्रम तथा कदन्नों के आयात के संबंध में भी जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि सरकार कदन्नों के उत्पादन को बढ़ाने हेतु तथा प्रक्षेत्र में ही प्रसंस्करण हेतु मशीनें प्रदान करने के लिए 14 राज्यों में लगभग ₹ 1400 करोड़ प्रदान कर रही है। बेहतर मूल्य, एवं बाजार में शीघ्रता के साथ अपनी पकड़ जमाने वाले स्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों को बढ़ावा प्रदान करने के लिए कृषकों को बाजार के साथ जोड़ने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी बताया कि विकासशील विश्व से भूख तथा पोषक तत्वों की कमी के उन्मूलन हेतु संयुक्त राष्ट्र का शून्य भूख तथा कुपोषण पर एक कार्यक्रम है, जिसमें कदन्न मुख्य भूमिका निभा सकते हैं।

श्री विनोद गौड़ ने अपने संबोधन में बताया कि कदन्न फसलों के महत्व एवं उनमें मौजूद पोषक तत्वों को उजागर करने के लिए सरकार के द्वारा कदन्नों को पोषक अनाज के रूप में अधिसूचित किया गया है। उन्होंने कहा कि उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ निवेश लागत को कम करके कृषकों की आय को

दोगुनी करना संभव है तथा कदन्नों में निवश लागत कम होने के कारण ये इस प्रणाली हेतु उपयुक्त है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि ज्यादा पोषक तत्वों युक्त तथा जैविक व अजैविक दबाव सहिष्णु किस्मों का विकास करके, उन्हें राष्ट्रीय बीज निगम को प्रदान किया जाए ताकि सार्वजनिक वित्त पोषित अनुसंधान का लाभ कृषकों तक पहुंचे।

उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार ने कहा कि कृषकों एवं उपभोक्ताओं हेतु उच्च उपज एवं गुणता युक्त किस्मों के विकास की आवश्यकता है। सभी अनुसंधानकर्ताओं को नई लोकार्पित किस्मों के पर्याप्त प्रजनक बीज प्रदान किए जाने चाहिए तथा उनका कृषक प्रक्षेत्रों में प्रचार किया जाना चाहिए। डॉ. प्रभाकर ने कहा कि खेती पर लागत को कम किया जाना

चाहिए तथा धान्य एवं चारा दोनों हेतु ग्रेन मोल्ड प्रतिरोधी कृष्य किस्मों का विकास किया जाना चाहिए।

इस अवसर पर गणमान्य लोगों के द्वारा ज्वार तथा कदन्न अनुसंधान पर चार प्रकाशनों का विमोचन किया गया। विभिन्न हितधारकों की अपेक्षाओं का पता लगाने हेतु कृषक प्रतिनिधियों एवं उद्यमियों के साथ हितधारक विशेष परस्पर वार्ता का आयोजन किया गया। वैज्ञानिकों ने उनके प्रश्नों का समाधान किया तथा वार्ता के दौरान भावी अनुसंधान योजनाओं हेतु कुछ सुझाव उभरकर आए।

विभिन्न विषयों के प्रधान अन्वेषकों ने आगे के सत्रों में 2018-19 की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। विभिन्न अभासअनुप केंद्रों की वैज्ञानिक गतिविधियों का लेखा-जोखा किया गया। अभासअनुप केंद्रों के प्रभारी अधिकारियों ने किए गए अनुसंधानों, महत्वपूर्ण क्षेत्रों, परिणामों, कमियों तथा भावी अनुसंधान हेतु नीतियों पर संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण दिया। सामूहिक बैठक में 2019-20 हेतु तकनीकी कार्यक्रमों को अंतिम रूप प्रदान किया गया। इस अवसर पर तीन आमंत्रित वक्ताओं ने सहभागियों के लाभार्थ दूग्ध क्षेत्र में ज्वार चारे का उपयोग, आंकड़े विश्लेषण हेतु सांख्यिकीय पैकेज तथा स्ट्रे ग्रीन लक्षणों पर व्याख्यान दिए।

डॉ. के पी सिंह, माननीय कुलपति, चौचसिंहकृविवि, हिसार ने ज्वार पर आयोजित वार्षिक सामूहिक बैठक के समापन सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने अपने संबोधन के दौरान देश में ज्वार की उत्पादकता बढ़ाने हेतु अभासअनुप केंद्रों के संजाल के माध्यम से भाकृअनुप के योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने लाभप्रदता के इस युग में कृषकों हेतु ज्वार के विविधिकरण की आवश्यकता पर बल दिया तथा मूल्य-वर्धन के महत्व पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ. के एस ग्रेवाल, संकायाध्यक्ष, कृषि महाविद्यालय, चौचसिंहकृविवि, हिसार भी उपस्थित थे। चौचसिंहकृविवि की विभिन्न समितियों एवं दलों ने इस बैठक हेतु सभी व्यवस्थाओं का आयोजन किया। भाकअनुसं, हैदराबाद की ओर से डॉ. एच एस तलवार, प्रधान वैज्ञानिक ने नोडल अधिकारी के रूप में सेवाएं प्रदान की।

लघु कदन्नों के प्रधान अन्वेषकों की बैठक

भाकृअनुप-भाकअनुसं, हैदराबाद में 2-3 मई, 2019 के दौरान डॉ. विलास ए टोणपि, परियोजना समन्वयक (लघु कदन्न) की अध्यक्षता, डॉ. प्रभाकर, भूतपूर्व परियोजना समन्वयक (लघु कदन्न) की सह-अध्यक्षता में लघु कदन्न के प्रधान अन्वेषकों की बैठक हुई। बैठक में संविधान के रूप, केंद्रों को सामग्री के प्रेषण, विषयवार परीक्षण तथा केंद्र-विशिष्ट प्रयोगों, सभी केंद्रों में परीक्षण किए जा रहे लक्षण-विशिष्ट जननद्रव्य, आनुवंशिक भंडारों की पहचान तथा भाकृअनुप-रापाआसंब्यू में पंजीकरण, लघु कदन्नों की वर्तमान व नई किस्मों का पौकिकृअधिसं प्राधिकरण में पंजीकरण, सस्य वैज्ञानिक परीक्षण, प्रमुख

पीड़कों एवं रोगों हेतु कार्यक्षम जननद्रव्य की खोज, विषयवार आंकड़े संग्रह तथा विश्लेषण हेतु मानक संचालन प्रक्रियाओं, प्रजनक एवं प्रमाणित बीज उत्पादन, लघु कदन्नों पर अभासअनुप के आंकड़े विश्लेषण, ज्वार तथा कदन्नों के

अभासअनुप के एकीकरण, शरीर क्रिया विज्ञान प्रयोगों, लघु कदन्नों के किस्मों के नामकरण पर चर्चाएं की गई तथा निर्णय लिए गए।

डॉ. दंडपाणी, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-राकृअनुप्रअ, हैदराबाद ने लघु कदन्नों की सांख्यिकी तथा आंकडों की स्वाचालन प्रविष्टियों के कार्यान्वयन के संबंध में विचार-विमर्श किया। डॉ. एन सीतारामा तथा डॉ. एस वाणी चर्चा के दौरान सम्मानीय अतिथि के रूप में उपस्थित थे तथा उन्होंने ज्वार तथा कदन्नों के अभासअनुप के एकीकरण का सुझाव दिया। संयोजक के रूप में डॉ. एम एलंगोवन, डॉ. के हरिप्रसन्ना तथा डॉ. बी वेंकटेश भट, सह-संयोजक के रूप में डॉ. के एन गणपति तथा डॉ. बी अमसिद्ध तथा प्रतिवेदक के रूप में डॉ. अविनाश सिंगोड़े, डॉ. सी दीपिका तथा डॉ. आर वेंकटेशवर्लु के सहयोग से इस बैठक का आयोजन किया गया।

"कदन्न उत्पादन, प्रसंस्करण तथा मूल्य-वर्धन के माध्यम से उद्यमिता विकास" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

न्यूट्रिहब, भाकअनुप-भाकअनुसं ने 3-4 मई, 2019 के दौरान भाकअनुसं, हैदराबाद में "कदन्न उत्पादन, प्रसंस्करण तथा मूल्य-वर्धन के माध्यम से उद्यमिता विकास" पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में श्री धर्मस्थल सिरि ग्रामोद्योग संस्थे, बेलथनगडी ताल्लुका, दक्षिण कन्नड ज़िला, कर्नाटक से 7 सदस्यों के दल ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य खाद्य एवं पोषण सुरक्षा में कदन्नों के महत्व के संबंध में जागरूकता लाना है। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में कदन्नों के प्रसंस्करण एवं मूल्य-वर्धन के विविध पहलू शामिल थे। डॉ. विलास ए टोणपि, निदेशक, भाकअनुसं ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया तथा सहभागियों से परस्पर वार्तालाप किया। डॉ. बी दयाकर राव, मुकाअधि, न्यूट्रिहब तथा पाठ्यक्रम निदेशक ने सहभागियों का स्वागत किया तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम का सिंहावलोक प्रस्तुत किया। डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक, तथा पाठ्यक्रम समन्वयक ने कदन्नों के क्षेत्र में व्यवसाय के अवसरों के बारे में संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। तत्पश्चात सहभागियों ने सेंटर ऑफ एक्सलेंश तथा खाद्य प्रसंस्करण प्रयोगशाला का दौरा किया। सुश्री श्रीनुजा, वरिष्ठ अध्येता, न्यूट्रिहब के द्वारा उन्हें कदन्नों के नए उत्पादों एवं विविध कदन्न उत्पादों हेतु प्रयुक्त पैकिंग विधियों के बारे में जानकारी दी गई। न्यूट्रिहब इन्कुबेशन दल ने भी प्रशिक्षार्थियों के साथ परस्पर विचार-विमर्श किया तथा संस्थान के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के संबंध में संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। सहभागियों को कदन्न के मूल्य-वर्धित उत्पादों के किट एवं प्रमाण-पत्रों के वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

ज्वार समूह की 49वीं वार्षिक बैठक के दौरान चार नए प्रकाशनों का विमोचन

ज्वार समूह की 49वीं वार्षिक बैठक के दौरान 28 मई, 2019 को भाकअनुसं एवं अभासअनुप के वैज्ञानिकों के निम्नलिखित चार नए प्रकाशनों का विमोचन किया गया :

- ***क्लाइमेट रेजिलेंश इन मिलेट्स.*** लेखक : एच एस तलवार, एन कन्नबाबू, बी वेंकटेश भट तथा विलास ए टोणपि, प्रकाशक : भाकृअनुप-भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद. पृ.: 226; आईएसबीएन सं.: 81-89335 -85-5.

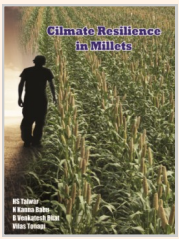

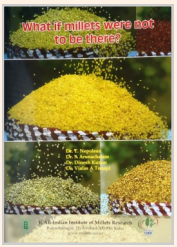

- ***वाट इफ मिलेट्स वेर नॉट टू बी देयर.*** लेखक : टी नेपोलियन, ए अरुणाचलम, दिनेश कुमार तथा विलास ए टोणपि, प्रकाशक : भाकृअनुप-भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद. पृ.: 36

- ***पेडिग्री डाटाबेस ऑफ सोरघम एलिट ब्रीडिंग स्टॉक्स (भाकृअनुप-ज्वार पर अभासअनुप 2011-2017) ;*** लेखक : एम एलंगोवन, बी अमसिद्ध, के एन गणपति

तथा विलास ए टोणपि, प्रकाशक : भाकृअनुप-भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद. पृ.: 181; आईएसबीएन सं.: 81-89335-78-2.

50 यिअर्स ऑफ फॉरेज रिसर्च इन हरियाणा. लेखक : डी एस फोगट तथा अन्य, प्रकाशक : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार तथा भाकृअनुप-भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद. पृ.: 98

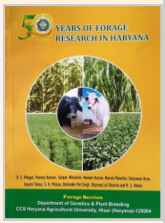

पुरस्कार

डॉ. एम एलंगोवन को बर्वाले अवार्ड

डॉ. एम एलंगोवन, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद को पादप आनुवंशिक संसाधन के अनुप्रयोग एवं उत्कृष्टता हेतु वर्ष 2018 का प्रतिष्ठित डॉ. बी आर

बर्वाले पुरस्कार प्रदान किया गया। यह पुरस्कार उन्हें विशेषकर कदन्नों के संबंध में पादप आनुवंशिक संसाधन प्रबंधन तथा आंकड़ा प्रबंधन, जीन संग्रह संचालन, बौद्धिक संपदा अधिकार, विविधता मानचित्रण तथा मोबाइल अनुप्रयोग विकास में प्राप्त उपलब्धियों के लिए प्रदान किया गया। डॉ. एम एलंगोवन ने उक्त पुरस्कार भाकृअनुप-रापाआसंब्यू, नई दिल्ली में 10 मई, 2019 को आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ प्लांट जेनेटिक रिसोर्सेस अवार्ड कार्यक्रम के दौरान डॉ. आर एस पड़ोदा, अध्यक्ष, इंसोप्लांजेरि तथा डॉ. त्रिलोचन महापात्रा, सचिव, कृअनुशि विभाग तथा महानिदेशक, भाकृअनुप के कर-कमलों से ग्रहण किया। इस अवसर पर प्रो. बी एस ढिल्लोन, कुलपति, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय; डॉ. आर सी अग्रवाल, उपाध्यक्ष, इंसोप्लांजेरि; डॉ. कुलदीप सिंह, निदेशक, भाकृअनुप-रापाआसंब्यू भी उपस्थित थे। इस पुरस्कार में प्रशस्ति-पत्र, फलक (प्लेक) तथा एक लाख रुपए का नकद पुरस्कार शामिल है।

डॉ. पी जी पद्मजा को एनएबीएस-बेस्ट वुमेन साइंटिस्ट अवार्ड

डॉ. पी जी पद्मजा, प्रधान वैज्ञानिक (कीटविज्ञान), भाकृअनुप-भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद को वर्ष 2018 हेतु नेशनल एकेडमी ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेस का एनएबीएस - बेस्ट वुमन साइंटिस्ट अवार्ड प्राप्त हुआ। उन्हें 2018 हेतु नेशनल एकेडमी ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेस के फेलो के रूप में भी पुष्टि प्रदान की गई।

भाकृअनुप-भाकअनुसं परिवार डॉ. एम एलंगोवन एवं डॉ. पी जी पद्मजा, दोनों की उपलब्धियों पर गर्व महसूस करता है तथा उनको हार्दिक बधाई देता है और भविष्य में भी इस तरह पुरस्कार प्राप्त करते रहने हेतु शुभकामनाएं प्रदान करता है !

कदन्नों के संग रसोई (कूकिंग विथ मिलेट्स) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भाकृअनुप-भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान ने पोषक अनाजों के संबंध में जागरूकता बढ़ाने के साथ स्वास्थ्यकर कदन्न खाद्य पदार्थ बनाने की विधियों के लिए 25 मई, 2019 को न्यूट्रिहब-भाकअनुसं, हैदराबाद में "कदन्नों के संग रसोई" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर डॉ.

विलास ए टोणपि, निदेशक, भाकअनुसं ने सहभागियों को कदन्नों के पोषण मूल्य तथा उनके स्वास्थ्य लाभ के बारे में जानकारी प्रदान की। कदन्न व्यंजनों के प्रति लोगों की बढ़ती रुचि को देखते हुए निदेशक, भाकअनुसं ने न्यूट्रिहब के दल को प्रतिमाह दो बार इस तरह की विशिष्ट कक्षाओं (संभव हो तो वर्गवार) के आयोजन का सुझाव दिया।

इस कार्यक्रम में नौकरीकर्ता, गृहिणी, छात्र, कृषक तथा उद्यमी आदि विभिन्न वर्ग के 7 महिला तथा 13 पुरुष शामिल कुल 20 सहभागियों ने अत्यधिक उत्साह के साथ भाग लिया। डॉ. बी दयाकर राव, मुकाअधि ने सहभागियों को इन स्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों को बढ़ावा प्रदान करने हेतु न्यूट्रिहब से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। डॉ. सी संगप्पा, वैज्ञानिक ने भी सहभागियों को संबोधित किया। इस कार्यक्रम के दौरान सेंटर

ऑफ एक्सलेंश के दल के द्वारा सहभागियों को कदन्नों के 8 व्यंजन बनाना सीखाया गया एवं कदन्न व्यंजनों का प्रदर्शन किया गया। प्रशिक्षार्थियों को *आरकेवीवाई - रफ्तार एग्रिप्रेन्युरशीप एंड सीड सपोर्ट प्रोग्रामों* के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई। डॉ. वी रवि कुमार, वरिष्ठ तकनीकी सहायक ने उक्त कार्यक्रम का समन्वय किया।

लोकार्पण हेतु नई ज्वार किस्मों की पहचान

ज्वार समूह की 49वीं वार्षिक बैठक के दौरान चौचसिंहकृविवि, हिसार में 28 मई, 2019 को किस्म पहचान समिति की बैठक हुई। समिति ने लोकार्पण के विचारार्थ प्राप्त 10 प्रस्तावों की जांच की तथा लोकार्पण हेतु चार किस्मों अर्थात ज्वार किस्म - एसपीवी 2437 (द्वि-उद्देशय खरीफ किस्म), एसपीवी 2423 (खरीफ किस्म), एसपीवी 2018 (खरीफ भूरी मध्य शिरा किस्म) तथा चारा ज्वार किस्म - एसपीवी 2445 की पहचान की तथा केंद्रीय किस्म लोकार्पण समिति के समक्ष प्रस्तुत करने की संस्तुती की।

उक्त बैठक में डॉ. दिनेश कुमार, सहायक महानिदेशक (खाद्य एवं चार फसल), भाकअनुप, नई दिल्ली अध्यक्ष के रूप में

उपस्थित थे। बैठक में अन्य सदस्य डॉ. एस के शेरावत, अनुसंधान निदेशक, चौचसिंहहकृविवि, हिसार; डॉ. के एस ग्रेवाल, संकायाध्यक्ष, कृषि महाविद्यालय, चौचसिंहहकृविवि, हिसार; डॉ. आई एस पनवार, अध्यक्ष, आनुवंशिकी तथा पादप प्रजनन, चौचसिंहहकृविवि, हिसार; श्री मुकेश कुमार जीत, क्षेत्रीय प्रबंधक, राबीनि, चंडीगढ़; श्री आर पी सिंह, क्षेत्र प्रबंधक, राबीनि, हिसार; श्री डब्ल्यू संतोष, ज्वार प्रजनक, एमएसएससी, अकोला; डॉ. लक्ष्मण राम बी, संयुक्त निदेशक, कअनुनि, जयपुर; डॉ. आर एस सावंत, फसल प्रमुख (ज्वार) हायटेक सीड्स, औरंगाबाद; डॉ. प्रभाकर, भूतपूर्व परियोजना समन्वयक (लघु कदन्न), बैगलुरु; डॉ. एस के पाहुजा, अध्यक्ष बाजरा अनुभाग तथा परीक्षा नियंत्रक, चौचसिंह हकृविवि, हिसार तथा सदस्य-सचिव, डॉ. विलास ए टोणपि, परियोजना समन्वयक (ज्वार) उपस्थित थे। इनके अलावा ज्वार पर अभासअनुप के प्रधान अन्वेषक भी उपस्थित थे।

नाबार्ड में परियोजना समीक्षा बैठक में भाकअनुसं दल

नाबार्ड तेलंगाना के क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद में 20 मई, 2019 को परियोजना प्रभारियों, वैज्ञानिकों, कदन्न वर्धकों एवं उद्यमियों के साथ परियोजना समीक्षा बैठक एवं परस्पर वार्ता सत्र का आयोजन किया गया। डॉ. बी सुब्बारायुडु, प्रधान वैज्ञानिक, भाकअनुसं ने "प्रमोशन ऑफ मिलेट्स टेक्नोलॉजी एंड एंटप्रेन्युरियल स्कील्स अमंग फार्मर्स/यूथ ऑफ विकाराबाद डिस्ट्रिक्ट ऑफ तेलंगाना" नामक परियोजना का स्थिति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। श्री विजय कुमार, मुख्य महाप्रबंधक, तेलंगाना ने परस्पर वार्ता सत्र के दौरान किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के महत्व तथा कदन्नों की खेती को बढ़ावा प्रदान करने में उनकी भूमिका, इन्कुबेशन केंद्रों का अनुरक्षण तथा कृषि संस्थानों के साथ उनके एकीकरण एवं उद्मियों के द्वारा किसानों को स्थिर पारिश्रमिक देने पर बल दिया। डॉ.

सुब्बारायुडु ने 2018-19 के दौरान संपन्न परियोजना गतिविधियों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में उनके प्रभाव के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि संस्तुत नवीनतम उत्पादन एवं संरक्षण प्रौद्योगिकियों को अपनाने से स्थानीय किस्मों 10-12 क्वि/हे की तुलना में उच्च उपज युक्त किस्मों ने ज्यादा, 20 क्वि/हे तक उपज दर्ज की। डॉ. जी श्याम प्रसाद तथा डॉ. सीएच शशिधर रेड्डी, भाकअनुसं एवं श्री बी के मिश्र तथा श्री एस सरोजा, नाबार्ड ने भी उक्त चर्चा में भाग लिया।

डिजिटल फिल्ड बुक पर राष्ट्रीय कार्यशाला

भाकृअनुप-भाकअनुसं, हैदराबाद ने भाकृअनुप-भारतीय गेहूं तथा जौ अनुसंधान संस्थान में 31 मई, 2019 को डिजिटल फिल्ड बुक पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला गेहूं एवं जौ फसलों के उदाहरण के साथ डिजिटल आंकडों के संग्रह पर केंद्रित थी। अभासअनुप तथा गेहूं तथा जौ जननद्रव्य की बारकोडिंग हेतु डिजिटल फिल्ड बुक के उपयोग पर भी चर्चा

की गई। डॉ. जी पी सिंह, निदेशक, भाकृअनुप,भागेजौअनुसं ने डिजिटल फिल्ड बुक के कार्यान्वयन एवं आंकड़ों के संग्रह हेतु उपकरणों की खरीद हेतु सभी वैज्ञानिकों एवं तकनीकी अधिकारियों से साथ विचार-विमर्श किया। इस कार्यशाला में कुल 58 वैज्ञानिकों एवं तकनीकी अधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। डॉ. एम एलंगोवन, डॉ. रेखा मलिक एवं डॉ. वेंकटेश के द्वारा इस कार्यशाला का समन्वय किया गया।

आमंत्रित व्याख्यान

डॉ. एम एलंगोवन, प्रधान वैज्ञानिक ने 10 मई, 2019 को भाकृअनुप-भारतीय कृषि सांख्यिकीय अनुसंधान संस्थान में डिजिटल फिल्ड बुक" पर अतिथि व्याख्यान दिया। इसमें वैज्ञानिक, तकनीकी, अध्येता शामिल कुल 20 सहभागियों ने भाग लिया। उक्त कार्यक्रम में आंकड़ों के संग्रह एवं संस्थान के सर्वर/आंकड़ा भांडागार में जमा करने के संबंध में विचार-विमर्श किया गया तथा आगे की बैठकों हेतु योजना बनाई गई। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, प्रधान वैज्ञानिक (कृषि सांख्यिकी) ने उक्त संगोष्ठी का आयोजन किया।

समझौते ज्ञापन

सैम हिग्गिंबाथॉम यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रिकल्चर, टेक्नोलॉजी एंड साइंसेस

भाकृअनुप-भाकअनुसं, हैदराबाद एवं सैम हिग्गिंबाथॉम यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रिकल्चर, टेक्नोलॉजी एंड साइंसेस, समविश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ.प्र. के मध्य 06 मई, 2019 को छात्रों हेतु स्नातकोत्तर एवं डॉक्टरी अनुसंधान कार्यक्रम के लिए समझौता ज्ञापन किया गया। भाकअनुसं की ओर से डॉ. विलास ए टोणपि, निदेशक तथा सैम हिग्गिंबॉथॉम यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रिकल्चर, टेक्नोलॉजी एंड साइंसेस की ओर से डॉ. शैलेष मार्कर, अनुसंधान निदेशक के द्वारा करार पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर डॉ. अविनाश सिंगोड़े, वैज्ञानिक, भाकअनुसं भी उपस्थित थे ।

चौचसिं हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार तथा भाकृअनुप-भाकअनुसं, हैदराबाद ने दोनों संस्थानों के मध्य शैक्षिक सहयोगी कार्यक्रमों को बढ़ावा प्रदान करने तथा उनमें तेजी लाने हेतु 31 मई, 2019 समझौता ज्ञापन किया। प्रो. के पी सिंह, कुलपति, डॉ. आशा कवट्रा, संकायाध्यक्ष, स्नातकोत्तर

अध्ययन, डॉ. एस के शेरावत, निदेशक अनुसंधान, चौचसिंहकृविवि तथा डॉ. एच एस तलवार तथा डॉ. आर मधुसूदन, प्रधान वैज्ञानिक, भाकअनुसं, हैदराबाद की उपस्थिति में डॉ. विलास ए टोणपि, निदेशक, भाकअनुसं तथा डॉ. एम एस सिध्पुरिया, मानव संसाधन प्रबंधन, चौचसिंहकृविवि, हिसार ने उक्त समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

आगंतुक

इंस्टिट्यूट ऑफ कोऑपरेटिव मैनेजमेंट के प्रशिक्षार्थी

इंस्टिट्यूट ऑफ कोऑपरेटिव मैनेजमेंट (आईसीएम), राजेन्द्रनगर, हैदराबाद से कुल 27 प्रशिक्षार्थियों ने दो दलों में 05 तथा 10 मई, 2019 को भाकअनुसं का दौरा किया। डॉ. बी

दायकर राव, मुकाअधि, न्यूट्रिहब ने उन्हें कदन्नों के मूल्य-वर्धन तथा स्वास्थ्य संबंधी लाभ के बारे में जानकारी प्रदान की। डॉ. संगप्पा ने कदन्नों के क्षेत्र में उद्मिता अवसर के संबंध में जानकारी दी। तत्पश्चात प्रशिक्षार्थियों ने डॉ. रवि कुमार, वरि.तक.सहायक, भाकअनुसं के साथ प्राथमिक प्रसंस्करण एकक तथा खाद्य प्रसंस्करण प्रयोगशाला का दौरा किया। प्रशिक्षार्थियों ने अपने गांवों में किराए पर चलाने हेतु लघु पैमाने पर प्राथमिक प्रसंस्करण मशीनों के संयत्र स्थापित करने में अत्यधिक रुचि दर्शायी इसके अलावा उन्होंने कदन्नों के मूल्य-वर्धित उत्पादों में भी रुचि दर्शायी। डॉ. संगप्पा ने इस दौरे का समन्वय किया।

यूएसएआईडी के पदाधिकारी

भाकृअनुप-भाकअनुसं में 23 जनवरी से 6 फरवरी, 2018 के

दौरान आयोजित फीड द फ्यूचर इंडिया त्रिकोणीय प्रशिक्षण (एफटीएफ-आईटीटी) के मूल्यांकन हेतु यूएसएआईडी, भारत, मूल्यांकन दल तथा डॉ. महंतशिर शिरूर, उप निदेशक, मैनेज, हैदराबाद ने 10 मई, 2019 को भाकअनुसं का दौरा किया। डॉ.

विलास ए टोणपि, निदेशक, भाकअनुसं ने आगंतुकों का स्वागत किया तथा संस्थान की गतिविधियों के बारे में संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। डॉ. बी दायकर राव, मुकाअधि, न्यूट्रिहब तथा पाठ्यक्रम निदेशक, एफटीएफ-आईटीटी ने उन्हें न्यूट्रिहब की गतिविधियों के संबंध में संक्षिप्त जानकारी दी। समिति के सदस्यों ने उक्त कार्यक्रम तथा 7 देशों से आए 20 प्रतिनिधियों हेतु आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रगति का मूल्यांकन किया। डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक, भाकअनुसं तथा पाठ्यक्रम समन्वयक, एफटीएफ-आईटीटी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने हेतु संपर्क तथा सहभागियों की प्रतिक्रिया पर संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण दिया। तत्पश्चात पदाधिकारियों ने खाद्य प्रसंस्करण प्रयोगशाला तथा न्यूट्रिहब का दौरा किया। उन्होंने संस्थान के द्वारा कदन्नों के प्रसार हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। डॉ. संगप्पा तथा न्यूट्रिहब के दल ने इस दौरे का समन्वय किया।

महाराष्ट्र से छात्र

महाराष्ट्र के नांदेड ज़िले से नायगांव कृषि महाविद्यालय से चार संकाय सदस्यों के साथ बीएससी (कृषि) के 108 छात्रों के दल ने अपने शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत 16 मई, 2019 को भाकअनुसं का दौरा किया। डॉ. बी दायकर राव, मुकाअधि, न्यूट्रिहब ने उन्हें कदन्नों के मूल्य-वर्धन तथा स्वास्थ्य संबंधी लाभ के बारे में जानकारी दी। डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक ने उन्हें संस्थान की गतिविधियों के संबंध में संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। तत्पश्चात उन्होंने प्राथमिक प्रसंस्करण एकक तथा खाद्य प्रसंस्करण प्रयोगशाला का दौरा किया। छात्रों ने कदन्न क्षेत्र में उद्यमिता के अवसरों तथा संस्थान द्वारा आयोजित किए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अत्यधिक रुचि दर्शायी। छात्रों को कदन्न संबंधी साहित्य प्रदान किया गया। डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक, श्री विलास आघव, प्रक्षेत्र अधीक्षक ने न्यूट्रिहब दल के सहयोग से इस दौरे का समन्वय किया।

संस्थान की सामान्य बैठकें

संस्थान के संयुक्त कर्मचारी परिषद (आईजेएससी)

भाकअनुसं में 04 मई, 2019 को पूर्वाह्न 10.00 बजे *संस्थान के संयुक्त कर्मचारी परिषद* की तिमाही बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में **अधिकारी वर्ग** से डॉ. विलास ए टोणपि, निदेशक, भाकअनुसं-अध्यक्ष, डॉ. एस एस राव-सचिव, आईजेएससी, डॉ. के बी आर एस विशारदा-सदस्य, डॉ. ए वी उमाकांत-सदस्य, डॉ. सीएच दीपिका-सदस्य, श्री चार्ल्स एक्का, वरि.प्रशा.अधिकारी-सदस्य तथा श्री ए नरसिंह मूर्ती, वित्त एवं लेखा अधिकारी-सदस्य; **कर्मचारी वर्ग** से श्री पी वी राजप्पा-आईजेएससी सचिव, डॉ. वी रवि कुमार-सीजेएससी सदस्य, श्री के सनत कुमार-सदस्य (प्रशासन), श्रीमती वी एस जी पार्वती-सदस्य (प्रशासन), श्री जे नरसिंह-सदस्य(सहायक कर्मचारी), श्री एम नरसिंह-सदस्य(सहायक कर्मचारी) उपस्थित थे। श्री पी वी राजप्पा, आईजेएससी-सचिव द्वार प्रस्तुत कार्यसूची पर तथा की गई कार्रवाई पर विस्तार से चर्चा की गई।

महिला संरक्षण समिति

भाकअनुसं में 04 मई, 2019 को पूर्वाह्न 10.30 बजे महिला संरक्षण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में डॉ. सी वी रत्नावती, अध्यक्ष, डॉ. पी जी पद्मजा, सदस्य; डॉ. एच एस तलवार, सदस्य; डॉ. सी अरुणा, सदस्य; डॉ. पी संजना, सदस्य; श्री ए नरसिंह मूर्ती, सदस्य तथा श्री चार्ल्स एक्का (सदस्य-सचिव) उपस्थित थे। बैठक में चर्चा हेतु कोई भी मुद्दा प्राप्त नहीं हुआ। समिति ने संस्थान के अच्छे वातावरण पर संतोष व्यक्त किया तथा नियमित रूप से प्रत्येक तिमाही में बैठक करने का निर्णय लिया।

संस्थान शिकायत कक्ष

भाकअनुसं में 04 मई, 2019 को पूर्वाह्न 10.45 बजे संस्थान के शिकायक कक्ष की तिमाही बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में डॉ. विलास ए टोणपि, निदेशक-अध्यक्ष; श्री पी मुकेश, सदस्य; श्री ए नरसिंह मूर्ती, वित्त एवं लेखा अधिकारी, सदस्य; श्री चार्ल्स एक्का, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी-सदस्य सचिव; श्री के सुरेश कुमार, सदस्य; श्री जे नरसिंह, सदस्य; उपस्थित थे। सदस्य-सचिव ने कार्य-निष्पादन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा सदस्यों द्वारा प्रगति पर चर्चा की गई।

बैठकें (बै)/संगोष्ठी (सं)/कार्यशालाएं (का)/प्रशिक्षण (प्र)/सम्मेलन (स)/परिसंवाद (परि) में सहभागिता

क्र.सं.	अधिकारियों के नाम	सहभागिता	प्रकार	स्थल	तिथियां
1	स्वर्णा रोणंकी	"डाटा एनालिसिस एंड सिमुलेशन ऑफ लार्ज डाटा सेट्स जेनरेटेड इन एपीएसआईएम युजिंग हाय स्पीड कॉम्प्यूटिंग एंड प्रोग्रामिंग" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	प्र	चेक यूनिवर्सिटी ऑफ लाइफ साइंसेस, प्राग, चेक गणराज्य	02- 31, मई, 2019
2	एम एलंगोवन	कॉन्सोर्टियम रिसर्च प्लेटफार्म ऑन एग्रोबायोडायवर्सिटी (सीआरपी-एबी) पर राष्ट्रीय कार्यशाला	का	भाकृअनुप – राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, नई दिल्ली	13 मई, 2019
3	बी सुब्बारायुडु, सीएच शशिधर रेड्डी तथा जी श्याम प्रसाद	नाबार्ड प्रायोजित परियोनाओं की समीक्षा बैठक	बै	नाबार्ड तेलंगाना क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद	20 मई, 2019

नोट : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में 28-30 मई, 2019 के दौरान आयोजित ज्वार पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 49वीं वार्षिक बैठक में भाकृअनुप-भाकअनुसं, हैदराबाद से कुल 30 सहभागियों ने भाग लिया।

भाषा के उत्थान में एक भाषा का होना आवश्यक है। इसलिए हिन्दी सबकी साझा भाषा है।

- पं. कृ. रंगनाथ पिल्लयार

राष्ट्रीय कदन्न वर्ष समारोह

2018 राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष
NATIONAL YEAR OF MILLETS
पोषण सुरक्षा हेतु पोषक अनाज
Nutricereals For Nutritional Security

IIMR भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान ICAR-Indian Institute of Millets Research

nutri hub Innovation | Technology | Business

NIELAN-TBI

Society for Millets Research कृषि मूलम इदम थान्यम

भाकृअनुप ICAR

संकलन एवं संपादन
डॉ. महेश कुमार, डॉ. के वी राघवेन्द्र राव, जिनू जेकब तथा डॉ. वी वेंकटेश भट
फोटो, अभिकल्पना तथा रूपरेखा
एच एस गावली
प्रकाशक एवं मुख्य संपादक
निदेशक,
भाकृअनुप - भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान

भाकृअनुप - भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान

मुख्यालय - राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500053
दूरभाष : 040-24599300
फैक्स : 040-24599304
ई-मेल : millets.icar@nic.in
वेबसाइट : www.millets.res.in

रबी ज्वार केंद्र (भाकअनुसं)
राष्ट्रीय राजमार्ग-9, बायपास, शेल्गी,
सोलापुर- 413006 (महाराष्ट्र)
दूरभाष : 0217-2373456
फैक्स : 0217-2373456
ई-मेल : solapur@millets.res.in
वेबसाइट : www.millets.res.in

ज्वार गैर-मौसमी पौधशाला, वरंगल
प्रभारी अधिकारी,
भारतीय कदन्नअनुसंधान संस्थान, आरएआरएस (पीजेटीएसएयू) मुलुगू रोड़. वरंगल